सांध्य दैनिक
4PM

जिद...सच की

उच्च विचारों से कमजोरियां दूर होती हैं। हमें हमेशा उच्च विचार पैदा करते रहना चाहिए।
– नेताजी सुभाष चंद्र बोस

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 345 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 जनवरी, 2025

भारत ने टी-20 सीरीज में बनाई... 7 | साथियों ने फिर दिया मोदी... 3 | सादगी के प्रतिमूर्ति थे... 2

मिल्कीपुर उपचुनाव में चलने लगे सियासी दांव

» भाजपा और सपा में कड़ी टक्कर, प्रचार में आई तेजी

» कई दौरे करने के बाद योगी फिर टेकेंगे जनता के सामने मत्था

» अखिलेश यादव व अवधेश प्रसाद ने संभाला मोर्चा, घर-घर जा कर मांग रहे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में 5 फरवरी को वोटिंग होनी है। वहां पर सियासी मैदान सजने लगा है। भाजपा के चंद्रभान पासवान व सपा के अजीत प्रसाद ने पूरी तरह मोर्चा संभाल लिया है। वहां पर चुनावी प्रचार तेजी पर आ गया है। भाजपा नेता व यूपी के सीएम योगी 40 से ज्यादा बार वहां का चक्कर लगाकर इस सीट की महत्ता को बता चुके हैं। वह 24 जनवरी को वहां दौरा कर सकते हैं। वहीं फैजाबाद के सांसद व सपा के नेता अवधेश प्रसाद के लिए भी यह सीट प्रतिष्ठा का विषय है। इसी के मद्देनजर सपा मुखिया ने भी वहां पर रैलियां करनी शुरू कर दी है। वह अपनी हर रैली में भाजपा व योगी सरकार पर हमला बोलने में कोई कोताही नहीं बरत रहे हैं। उधर भाजपा धार्मिक मुद्दों को बिना छोड़े सपा पर हमला कर रही है। यहां बता दे कि कांग्रेस व बसपा चुनाव नहीं लड़ रहें हैं हालांकि कांग्रेस ने सपा को समर्थन दे दिया है। बसपा अभी फिलहाल सक्रिय नहीं है। चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा की उसका कोर वोटर किसके साथ जाता है। इन सबके बीच सपा मुखिया ने पुलिस-प्रशासन पर सवाल खड़े किए। मिल्कीपुर चुनाव को लेकर भी सरकार को घेरा।

सपा महिला सभा ने राजू दास के खिलाफ किया प्रदर्शन

यूपी की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को विधानसभा के पास सपा महिला सभा की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने यह प्रदर्शन मंहत राजू दास द्वारा मुलायम सिंह यादव पर की गई टिप्पणी के विरोध में किया।

मिल्कीपुर विस चुनाव सपा जीतेगी : अखिलेश

सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि मिल्कीपुर चुनाव को लेकर भाजपा ने पुलिस को आगे कर दिया है। श्री यादव ने कहा मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी जीतेगी। मिल्कीपुर की जनता जानती है कि भाजपा चुनाव में बेईमानी करना चाहती है। भाजपा ने पुलिस को आगे कर दिया है। एसओ और सीओ को निर्देश दिया जा रहा है। डीएम, एसपी और अन्य अधिकारी लखनऊ के इशारे पर काम कर रहे हैं। जनता कह रही है कि निष्पक्ष चुनाव हुए तो समाजवादी पार्टी की ऐतिहासिक जीत होगी। जनता बेईमानी करने वालों के खिलाफ वोट डालेगी।

गलत परंपरा डाल रही भाजपा

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अधिकारियों के माध्यम से वोट डालने की जो संस्कृति पैदा कर रही वह परम्परा गलत है। कल को दूसरी सरकार आएगी और इसी रास्ते पर चलेगी तो इनके बहुत से नेता वोट डालने नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। भाजपा नफरत की राजनीति करती है। नफरत बढ़ाने वाले फैसले ले रही है। लखनऊ, अयोध्या, गोण्डा से लेकर प्रदेश के अन्य जिलों में जितनी रजिस्ट्रियां हो रही हैं, वे ज्यादातर भाजपा के नेता करा रहें है। भाजपा नेताओं ने भगवान श्रीराम की धरती अयोध्या को भी नहीं छोड़ा। अगर रजिस्ट्रियां चेक किया जाए तो पता चल जाएगा कि भाजपा के लोगों ने बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया है।

अमेरिकी कांग्रेस में आया बिल अब भारतीयों की बढ़ेंगी मुश्किलें

» लैकेन रिले एक्ट को मिली मंजूरी, बिना अनुमति रह रहे अप्रवासियों को करेंगे देश डिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस में पहली विधानमंडलीय जीत दर्ज की है। अमेरिकी कांग्रेस ने रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाले एक बिल को अंतिम मंजूरी दे दी है। इस बिल के तहत देश में बिना अनुमति के प्रवेश करने वालों और अपराधों में शामिल अप्रवासियों को हिरासत में लेना और उन्हें देश से डिपोर्ट करना आवश्यक होगा।

इस बिल का नाम लैकेन रिले एक्ट रखा गया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वादा किए गए इमिग्रेशन पर व्यापक कार्रवाई की शुरुआत के तौर पर सामने आया है। अमेरिकी कांग्रेस में यह बिल 263 के मुकाबले 156 मतों से पास हुआ। इसमें 46 डेमोक्रेट्स ने भी इस बिल के पक्ष में वोट किया है, जो अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वालों के खिलाफ सख्त रूख अपनाने के लिए बढ़ती हुई सर्वदलीय सहमति को दर्शाता है।

263 के मुकाबले 156 मतों से पास हुआ अमेरिकी कांग्रेस में यह बिल

जॉर्जिया की छात्रा के नाम पर बिल को दिया गया नाम

इस बिल का नाम जॉर्जिया के एक 22 साल की छात्रा लेकन रिले के नाम पर दिया गया है, जिसकी पिछले साल एक दौड़ के दौरान हत्या कर दी गई थी। हत्या के लिए वेनेजुएला के अवैध अप्रवासी को दोषी ठहराया गया था, जिसे बिना पैरोल की आजीवन कारावास की सजा दी गई। दोषी को इसके पहले भी एक दुकान से चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे हिरासत में नहीं लिया गया था। अब लेकन रिले के मामले ने अमेरिका में फिर से इमिग्रेशन और अपराध पर बहस को तेज कर दिया है।

केंद्र हमारे हिस्से का पैसा नहीं दे रहा : ममता बनर्जी

» बोलीं- हम भीख नहीं मांग रहे आत्मसम्मान के लिए लड़ रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। अलीपुरद्वार में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर तीखा वार किया है। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार हमें धन आवंटित नहीं कर रही है। हम भीख नहीं मांग रहे हैं। हम आत्मसम्मान के साथ लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम चाय बागानों में काम करने वालों को जमीन के पट्टे दे रहे हैं। हम चाय बागान श्रमिकों को उनके घर के निर्माण के लिए 1,20,000 रुपये भी दे रहे हैं। इससे पहले ममता बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करना सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जिम्मेदारी है और उन्होंने मालदा जिले के लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई समस्या है तो वे सीमावर्ती इलाकों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद आई है। दोनों देशों के किसानों के बीच विवाद झड़प में तब्दील हो गया था।

सादगी की प्रतिमूर्ति थे जनेश्वर मिश्र : अखिलेश

» पूर्व केंद्रीय मंत्री को सपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि

» कहा- अगर वे आज होते तो पीडीए की लड़ाई में सबसे आगे दिखाई देते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी चिंतक पूर्व केंद्रीय मंत्री पंडित जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में मनाई गई। मुख्य कार्यक्रम गोमती नगर के जनेश्वर मिश्र पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। श्री यादव ने पुष्प अर्पित कर पंडित जनेश्वर मिश्र को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि पंडित जनेश्वर मिश्र जी समाजवादी आंदोलन के बड़े नेता थे। वह सादगी के प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने हमेशा नेताजी मुलायम सिंह यादव का साथ दिया और समाजवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने का काम किया। पंडित जनेश्वर मिश्र ने समाजवादियों को संघर्ष का रास्ता दिखाया। अगर वे आज होते तो पीडीए की लड़ाई में सबसे आगे दिखाई देते। अखिलेश यादव के साथ जनेश्वर मिश्र पार्क में पंडित जनेश्वर मिश्र की बेटी श्रीमती मीना तिवारी एवं उनके परिवार के विश्वभूषण तिवारी, चंद्र शेखर तिवारी के साथ राहुल सिंह एवं सोनू यादव ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडे, पूर्व नेता विरोधी दल राम गोविंद चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, सांसद सनातन पांडे, पूर्व सांसद आलोक तिवारी, राज कुमार मिश्र कोषाध्यक्ष, प्रो. बी. पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा, सर्वश्री आरएस कुशवाहा, सैयदा खातून एवं आशु मलिक विधायक गण, केरल प्रदेश अध्यक्ष साजी पोथन थामसन, मो. असलम हाशमी चंदौली पूर्व विधायक, व्यासजी गोंड, नगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी, जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत, विजय सिंह यादव, विजय बहादुर यादव, रामसागर यादव, पूर्व मेयर प्रत्याशी मीरा वर्धन, वंदना मिश्रा, महेश चौरसिया, सोनू कनौजिया, अमरनाथ मिश्र, इंजी. आद्या शंकर, गेना लाल, कल्पनाथ यादव इब्राहिम मंसूरी, मीना यादव, बृजेश सिंह बैचलर, पूर्व विधायक अंबरीष पुष्कर, राजबाला रावत, दीपक रंजन, राम सिंह राणा, धर्मप्रकाश यादव, सर्वेश यादव, मनोज पासवान, विवेक पहलवान, अनिल यादव मास्टर, प्रदीप कनौजिया, गजेन्द्र मिश्रा, सुशील दीक्षित, एवं मुकेश शुक्ला पूर्व महानगर अध्यक्ष, मनोज यादव एवं श्रिया शुक्ला, अनिल सिंह बीरू, प्रेमचंद गुप्ता, पायल सिंह, विकास यादव, डॉ. आरपी सिंह राजपूत, फिदा हुसैन अंसारी, राजेंद्र मौर्य, बलजीत सिंह चौहान, जीतू कश्यप ने भी जनेश्वर मिश्र को पुष्पांजलि अर्पित की।

चुनाव जीतने के लिए नहीं बदलना चाहिए बयान : अबू आजमी

» सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा अवैध प्रवासियों पर होनी चाहिए कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने कांग्रेस के आम आदमी पार्टी (आप) पर लगाए जा रहे आरोपों पर कहा कि एक बार जब हम साथ मिलते हैं तो कहा जाता है कि बहुत अच्छे लोग हैं, लेकिन जब चुनाव आता है तो बुराई शुरू हो जाती है। अबू आजमी ने कहा कि यह बहुत घटिया हरकत है क्योंकि जो सच है वही बोलना चाहिए। चुनाव जीतने के लिए ऐसे बयानों से बचना चाहिए।

अबू आजमी ने सैफ अली खान पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा है कि भारत में किसी भी मुल्क के नागरिक, चाहे वह बांग्लादेशी हो या पाकिस्तानी अगर अवैध तरीके से रह रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मुझे लगता है कि जब कोई इंसान परेशान होता है तो वह चोरी-छिपे दूसरे मुल्क में रहने आ जाता है। हमारे देश के कई नागरिक दूसरे देशों में हैं। इसी कारण उन देशों में भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है।

देश कर्ज में डूब रहा है

समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आजमी ने कहा कि कि देश कर्ज में डूब रहा है, लेकिन यहां मंदिर-मस्जिद को लेकर ही राजनीति हो रही है। सपा नेता अबू आजमी ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट के सवाल पर कहा? कि देश कर्ज में डूब रहा है और अगर 80 करोड़ लोगों को राशन नहीं मिला तो वह भूखे मर जाएंगे। हालत यह है कि देश में लोग कर्ज के नीचे दबते जा रहे हैं, मगर यहां मंदिर-मस्जिद का विवाद खत्म नहीं हो रहा है।

प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पर फैसला दे सुप्रीम कोर्ट

मैं समझता हूं कि हमारा देश धार्मिक है। जब एक बार पार्लियामेंट में तय हो गया कि साल 1947 से पहले जो भी मंदिर और मस्जिद थे उसकी स्थिति पहले जैसी ही बनी रहेगी, लेकिन राम मंदिर को इससे अलग रखा गया था। अब 800 साल पुरानी मस्जिद के नीचे मंदिर ढूंढा जा रहा है। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट बनने के बाद भी यह सब हो रहा है। मेरा मानना है कि इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट को फैसला लेना चाहिए।

खुद को साहूकार और दूसरों को चोर समझती है भाजपा : अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी के नये गाने पर किया पलटवार

» बोले- योगी सिर्फ प्रचार मंत्री यूपी में कोई काम नहीं हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव में लांच किया गये गाने पर कांग्रेस ने कटाक्ष किया है। गाने में बीजेपी ने विपक्षी दलों को चोर बताया है। इस गाने के बोल है कि 'जनता ने ये ठानी है, चोरों को दूर हटाकर, बीजेपी ही लानी है। अजय राय ने भाजपा के नए गाने पर पलटवार करते हुए कहा है कि दो चोर आपस में मिले हुए हैं, जिन्होंने दिल्ली को बर्बाद कर दिया। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भारतीय जनता पार्टी के वर्क कल्चर पर उंगली उठाई हैं।

उन्होंने आरोप लगते हुए कहा है कि बीजेपी वाले खुद को साहूकार समझते हैं और दूसरों को चोर। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि भाजपा की जो सोच है, वह चोर-चोर मौसेरे भाई वाली है। दोनों चोर आपस में मिले हुए हैं और उन्होंने मिलकर पूरी दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। दिल्ली का न विकास हुआ है और न ही वहां कोई कोई काम हुआ है। दिल्ली की हवा भी प्रदूषित हो गई है। मुझे लगता है कि भाजपा को चोर-चोर मौसेरे भाई वाला एक गाना लॉन्च करना चाहिए। यह गाना भाजपा पर भी लागू होता है।

राहुल गांधी सबको जोड़ रहे हैं

अजय राय ने मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने वाले सवाल पर कहा, मीडिया रिपोर्ट्स आ रहे हैं और इसमें बताया जा रहा है कि दलित समुदाय के लोग कांग्रेस पार्टी के समर्थन में मतदान करेंगे। राहुल गांधी सब जगह जा रहे हैं। उन्होंने बीते कुछ समय में हर किसी के घर जाकर उनसे मुलाकात तक की है। चाहे वह बढ़ई हो या मोची या धोबी, उन्होंने हर किसी से मुलाकात की है।

अपनी ही सरकार की आलोचना कर रहे हैं उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अवैध घुसपैठियों को लेकर दिए बयान पर अजय राय ने कहा, वह संवैधानिक पद पर बैठे हैं और मैं समझता हूं कि वह अपनी सरकार की आलोचना कर रहे हैं। देश में अवैध घुसपैठियों को रोकने का काम सरकार है और वह खुद राज्यसभा के सभापति हैं, उन्हें इस संबंध में सरकार को निर्देश देना चाहिए। हम धन्यवाद देना चाहते हैं कि जगदीप धनखड़ ने अपनी सरकार को आईना दिखाया है। उन्होंने दिल्ली चुनाव पर कहा, भाजपा और आप के लोग मिले हुए हैं। जब केजरीवाल बनारस आए थे तो भाजपा के साथ झगड़ा करते थे। अब यही हाल दिल्ली में भी है, वहां पर भी वह आपस में झगड़े करके दिखा रहे हैं। मैं समझता हूं कि दिल्ली में दोनों दल खत्म हो रहे हैं और कांग्रेस आ रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली चुनाव प्रचार पर अजय राय ने कहा कि प्रदेश में कोई काम नहीं हो रहा है और योगी आदित्यनाथ पूरे देश में सिर्फ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। वह सिर्फ हिंदू और मुसलमान की राजनीति करते हैं और मस्जिद में मंदिर को तलाश रहे हैं।

भाजपा में गुटबाजी का कैंसर लाइलाज : विक्रांत भूरिया

» कांग्रेस विधायक ने बीजेपी पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। महू में होने वाले कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में इंदौर आए प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व विधायक विक्रांत भूरिया ने कहा कि महू में होने वाले कांग्रेस के आयोजन में दो लाख लोग एकत्र होंगे।

आदिवासी परिवारों के साथ होने वाले अत्याचारों के खिलाफ यह आंदोलन सरकार की साथ हमारी लड़ाई को धार देगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के कांग्रेस में गुटबाजी के कैंसर के बयान पर विक्रांत ने कहा कि मैं डाक्टर हुं, कैंसर का इलाज भी संभव है। स्टेज वन, स्टेज टू का इलाज होता है। कांग्रेस में छोटी मोटी गुटबाजी को खत्म किया जा रहा है। हम कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ है। कांग्रेस एकजुट है। भाजपा की गुटबाजी अनियंत्रित हो गई है। इंदौर में दो पार्षदों की लड़ाई की चर्चा पूरे देश में है। मंत्री आपस में लड़ रहे है। भाजपा की गुटबाजी की स्थित यह है कि इंदौर में भाजपा का शहर अध्यक्ष नहीं बन पा रहा है। भाजपा में गुटबाजी का कैंसर लाइलाज है। अब भाजपा के खात्मे की शुरूआत हो चुकी है।

सैफ पर हमले को लेकर बिगड़े महाराष्ट्र के मंत्री के बोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सैफ अली खान पर हमले मामले में राजनीति बयानबाजी भी हो रही है। बांग्लादेशी नागरिक द्वारा सैफ अली खान को चाकू मारने को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने टिप्पणी की है।

उन्होंने कहा कि देखिए बांग्लादेशी मुंबई में क्या कर रहे हैं। वे सैफ अली खान के घर में घुस गए। पहले वे सड़कों के चौराहों पर खड़े रहते थे, अब वे घरों में घुसने लगे हैं। हो सकता है कि वह उन्हें (सैफ अली खान) लेने आए हों। यह अच्छा है, कचरा हटा दिया जाना चाहिए। नितेश राणे ने आगे कहा,जब वह अस्पताल से बाहर आया तो मुझे संदेह हुआ कि वाकई में उसे चाकू मारा गया था या नहीं। क्योंकि अस्पताल से बाहर आने के बाद वो शाहरुख खान की तरह नाच रहा था।

साथियों ने फिर दिया मोदी सरकार को झटका!

बिहार में हम, मणिपुर में जदयू व महाराष्ट्र में एनसीपी ने दिखाई आंख

- समय-समय पर सहयोगियों के बयान से भाजपा हलकान
- जीतनराम, अजित व नीतीश ने एनडीए सरकार पर फिर भी किया भरोसा?
- माझी ने लगाया था 'हम' को राजग में उचित सम्मान नहीं मिलने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार से हम-जदयू और महाराष्ट्र से एनसीपी ने अपने फटाफट किए फैसलों से एनडीए सरकार, बीजेपी व मोदी को हैरान कर दिया है। हालांकि गनीमत रही सांस रोकने वाले इन फैसलों का सरकार पर कोई ज्यादा फर्क तो नहीं पड़ा पर पूरी भाजपा तो हिल गई और विपक्षी पार्टियों को भाजपा को घेरने का मौका मिल गया। पहली खबर बिहार के हिंदुस्तान अवाम मोर्चा-हम की है। जिसमें उसके अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल छोड़ने की धमकी दे दी पर जैसे विवाद हुआ तो पलटी मारते हुए बोलने लगे मोदी का साथ कभी नहीं छोड़ूंगा।

वही एक बड़े राजनीतिक बदलाव में, जनता दल (यूनाइटेड) ने आधिकारिक तौर पर मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस फैसले से राज्य विधानसभा में पार्टी का एकमात्र विधायक विपक्षी दल में शामिल हो गया है। उधर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विभाजनकारी रणनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ चेतावनी देते हुए धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील राजनीति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। उनका यह बयान भाजपा को नसीहत के रूप में देखा जा रहा है। वहीं हम के नेता जीतन राम मांझी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के बारे में कहा कि इसने कई अच्छे काम किए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में अपने एक साल से भी कम समय के कार्यकाल के दौरान उन्होंने दलित वर्गों से जो वादे किए थे, वे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल छोड़ने की धमकी देते हुए आरोप लगाया कि उनकी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है। मांझी के बयान पर राजनीति गरमाई तो वह अपने बयान से पलट भी गये और आरोप लगाया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। हम आपको बता दें कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने मुंगेर जिले में एक जनसभा के दौरान विभिन्न राज्य चुनावों में सीट बंटवारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा उनकी पार्टी को ध्यान में नहीं रखे जाने पर दुख जताया। मांझी ने कहा, झारखंड और दिल्ली में हमें कुछ नहीं मिला। यह कहा जा सकता है कि मैंने कोई मांग नहीं की। लेकिन, क्या यह न्याय है मुझे नजरअंदाज किया गया क्योंकि इन राज्यों में मेरा कोई वजूद नहीं था। इसलिए हमें बिहार में अपनी योग्यता साबित करनी होगी। रामायण के एक श्लोक का हवाला देते हुए, जिसका अर्थ है कि अक्सर डर सम्मान को जन्म देता है, 80 वर्षीय नेता ने टिप्पणी की, लगता है कि मंत्रिमंडल हमको छोड़ना पड़ेगा।

कुछ मीडिया घराना विपक्ष के इशारे पर हमें बाटने की कोशिश कर रहा

अपनी टिप्पणी पर विवाद के बाद उन्होंने पलटी मारते हुए ट्वीट किया कि कुछ वेब पोर्टल और समाचार चैनलों के द्वारा भ्रमक ख़बर प्रचारित/प्रसारित किया गया है कि जीतन राम मांझी कैबिनेट से इस्तीफ़ा देंगे। उन्होंने कहा कि जबकि मैंने मुंगेर की सभा में हो रही देरी को लेकर कहा था कि आप लोग लेट कर रहें हैं जिसके कारण मेरी फ्लाइट छूट जाएगी और मुझे कैबिनेट छोड़ना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वैसे लोगों को मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि मैं मरते दम तक माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का साथ नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि हम सब अभी देश और बिहार के हित का कार्य कर रहें हैं तो कुछ मीडिया घराना विपक्ष के इशारे पर हमें बाटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं वैसे लोगों को चेतावनी देना चाहता हूँ कि वह सचेत हो जाएँ अन्यथा मैं उनके ख़िलाफ़ न्यायालय की शरण लूँगा और प्रेस काउंसिल में उनकी शिकायत दर्ज कराऊँगा।

मोदी से विद्रोह का कोई सवाल नहीं : जीतनराम

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कुछ लोग कह सकते हैं कि मैं राजग से लड़ रहा हूं। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व ऐसा है कि विद्रोह का कोई सवाल ही नहीं है। मैं एक दलील दे रहा हूं, टकराव में शामिल नहीं हूं। हम आपको बता दें कि मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में चार विधायक हैं और वह अपने दल के अकेले सांसद हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के लिए 40 सीटें चाहते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अगर हमारी पार्टी 20 सीटें भी जीतती है, तो हम अपनी मांगें पूरी करवा पाएंगे। उन्होंने कहा कि वह किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का पीछा नहीं कर रहे हैं, बल्कि भुइयां-मुसहर के लिए बेहतर सौदे पर नजर रख रहे हैं, जो एक दलित समुदाय है जिससे वह आते हैं। मांझी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के बारे में कहा कि इसने कई अच्छे काम किए हैं लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में अपने एक साल से भी कम समय के कार्यकाल के दौरान उन्होंने दलित वर्गों से जो वादे किए थे, वे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। हम आपको बता दें कि नीतीश सरकार में मांझी के बेटे संतोष सुमन मंत्री हैं। हाल के दिनों में यह दूसरा मौका है, जब मांझी ने राजग से अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से जताई है। उन्होंने रविवार को जहानाबाद में कहा था कि दिल्ली और झारखंड में उनकी पार्टी को धोखा दिया गया।

मांझी को सामाजिक न्याय की लड़ाई में शामिल होना चाहिए : मृत्युंजय तिवारी

इस बीच, राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने मांझी से कहा कि अगर उन्हें गंभीरता से लगता है कि दलितों को भाजपा की तुलना में बेहतर डील मिलनी चाहिए तो उन्हें सत्ता की मलाई छोड़ देनी चाहिए। तिवारी ने कहा,मांझी को सामाजिक न्याय की लड़ाई में शामिल होना चाहिए जिसका नेतृत्व हमारे नेता लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव कर रहे हैं। लेकिन, इस मंथन के बिना, जिससे भाजपा हमेशा सावधान रहती है, मांझी को कभी भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी जाती।

नीतीश कुमार ने मणिपुर सरकार से वापस लिया समर्थन

एक बड़े राजनीतिक बदलाव में, जनता दल (यूनाइटेड) ने आधिकारिक तौर पर मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। इस फैसले से राज्य विधानसभा में पार्टी का एकमात्र विधायक विपक्षी दल में शामिल हो गया है। हालांकि इस घटनाक्रम से सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन यह एक कड़ा संदेश है क्योंकि जेडीयू केंद्र और बिहार में बीजेपी की प्रमुख सहयोगी है। यह घटनाक्रम कॉनराड संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी, जो मेघालय में सत्ता में है, के बीरेन सिंह सरकार से समर्थन वापस लेने के महीनों बाद आया है। मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने छह सीटें जीतीं, लेकिन चुनाव के कुछ महीनों बाद, पांच विधायक भाजपा में चले गए, जिससे सत्तारूढ़ दल की संख्या मजबूत हो गई। 60 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल बीजेपी के 37 विधायक हैं. इसे नागा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है, जिससे इसे आरामदायक बहुमत मिल गया है। मणिपुर की जदयू इकाई के प्रमुख केश बीरेन सिंह ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को पत्र लिखकर घटनाक्रम की जानकारी दी है। केश बीरेन सिंह ने लिखा कि फरवरी/मार्च, 2022 में हुए मणिपुर राज्य विधानसभा के चुनाव में, जनता दल (यूनाइटेड) द्वारा खड़े किए गए छह उम्मीदवार वापस लौट आए। कुछ महीनों के बाद, जनता दल यूनाइटेड के पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए। पांचों विधायकों का भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत मुकदमा स्पीकर ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित है। जनता दाई (यूनाइटेड) के इंडिया ब्लॉक का हिस्सा बनने के बाद, जनता दल (यूनाइटेड) ने माननीय राज्यपाल, सदन के नेता (मुख्यमंत्री) और अध्यक्ष के कार्यालय को सूचित करके भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस ले लिया।

भाजपा की लाइन से अलग जा रहे अजित पवार!

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने विभाजनकारी रणनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ चेतावनी देते हुए धर्मनिरपेक्षता और प्रगतिशील राजनीति के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। जालना में राकांपा के जिला कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, पवार ने महाराष्ट्र में एकता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर जोर दिया और पार्टी कार्यकर्ताओं से अपनी गतिविधियों में पारदर्शिता बनाए रखने का आह्वान किया। रिपोर्ट के मुताबिक, पवार ने कहा कि महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। एनसीपी दृढ़ता से एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है। हम किसी को भी नफरत फैलाने या विभाजनकारी राजनीति में शामिल होने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से नए सदस्यों को शामिल करते समय सतर्क रहने का आग्रह किया और उन्हें संदिग्ध पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को शामिल करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अपने कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करें और भ्रष्टाचार या विभाजन को हमारी पार्टी में न आने दें। पवार ने राज्य सरकार की पहल लड़की बहिन योजना को भी संबोधित किया, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। टीओआई के अनुसार, उन्होंने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए इस योजना के लिए महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग को 3,700 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। हालाँकि, डिप्टी सीएम ने 2.5 लाख रुपये और उससे अधिक की वार्षिक आय अर्जित करने वाले लाभार्थियों से स्वेच्छा से कार्यक्रम से बाहर निकलने का आह्वान किया, और उनसे वास्तव में जरूरतमंद लोगों के लिए रास्ता बनाने का आग्रह किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ट्रंप के फैसले से भारतीय मूल के लोगों में हड़कंप

बता दें, ट्रंप ने शपथ लेने के बाद अवैध प्रवासियों की एंट्री बैन करने के अलावा जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) को खत्म करने को लेकर भी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति जारी करते हैं। उनका यह आदेश कानून बन जाता है जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती।

अमेरिका में ट्रंप का दूसरी बार सरकार में आना भारत के लिए नुकसान पहुंचाने वाला हो सकता है। राष्ट्रपति पद की शपथ के बाद कुछ ऐसी घोषणाएं ट्रंप ने की है जो भारतीय युवाओं के आगे बढ़ने के रास्तों को रोक देंगे। अमेरिका में फिलहाल 4.8 मिलियन यानी 48 भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं जो अमेरिका की कुल आबादी का 1.47 प्रतिशत है। जबकि 34प्रतिशत लोग अमेरिका में ही पैदा हुए हैं। इनमें से ज्यादातर इस नए बदलाव से प्रभावित होंगे। बता दें ट्रम्प ने शपथ लेने के बाद अवैध प्रवासियों की एंट्री बैन करने के अलावा जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) को खत्म करने को लेकर भी एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति जारी करते हैं। उनका यह आदेश कानून बन जाता है जिसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती।

हालांकि इन्हें अदालत में चुनौती दी जा सकती है। बड़ी तादाद में भारतीय मूल के वे लोग भी है, जिन्होंने अमेरिकी नागरिकता जन्म के वक्त ही हासिल की है। अगर यह नीति लागू होती है तो एच-1बी जैसे अस्थायी वर्क वीजा के तहत काम कर रहे और ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे लोगों के बच्चों को जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता नहीं मिलेगी। मेरिका काम करने एच-1बी वीजा के तहत गए के भारतीयों के लिए उनके तथ्यों को मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता उनकी भी नागरिकता को सुनिश्चित करने में मदद करते है लेकिन अब नई नीति के बाद इन बच्चों की नागरिकता पर ही संकट है। भारतीय स्टूडेंट्स अमेरिका में पढ़ने वाला दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय समुदाय है। ऐसे में एफ-1 वीजा पर पह रहे लोगों की शादी और बच्चे होते हैं तो उन्हें नागरिकता नहीं हासिल होगी। ट्रंप के इस आदेश की वैधानिकता को संसद और कोर्ट में साबित करने में वर्षों लग सकते हैं। अमेरिकी जमीन पर पैदा हुए किसी भी बच्चे को अपने आप ही नारिकता मिल जाती है, चाहे उसके माता-पिता का इमिग्रेशन या फिर नागरिकता का स्टेटस कुछ भी हो। ट्रंप के आदेश के लागू होने के नाद अमेरिका में पैदा हुए सच्चे को नागरिकता उसी हालत में मिलेगी, जन उसके माता- पिता में से कोई एक अमेरिकी नागरिक हो, ग्रीन कार्ड होल्डर या फिर अमेरिकी सेना में हो। हालांकि इस मसले पर अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बात चल रही है। उन्होंने कहा है कि हम इस मुद्दे को लेकर बेहद ही गंभीर हैं और भारत सरकार को इसे हल करना होगा। ऐसे में 18 से 20 हजार भारतीयों को वापस भेजा जा सकता है। इसके अलावा ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि भारत चाहता है कि एच1बी वीजा प्रोग्राम सरलता से चलता रहे। भारत से बड़ी संख्या में स्किल्ड वर्कर अमेरिका जाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ता बदलते ही क्रिप्टो करेंसी का ट्रंप कार्ड

पुष्परंजन

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को दुनिया की 'बिटकॉइन महाशक्ति' बनाएंगे। बिटकॉइन भी वही सबसे विश्वसनीय, जिसे ट्रंप कुनबे ने लॉन्च किया हो। 'ट्रम्प मेमेकॉइन' के लॉन्च ने मुद्रा उद्योग के कई पावर ब्रोकर्स को चौंका रखा है। रविवार देर रात ट्रम्प परिवार ने दूसरा नया क्रिप्टो टोकन लॉन्च किया। इस टोकन का नाम है, 'डॉलर मेलानिया'। रविवार दोपहर तक बाजार में ट्रंप टोकन का कुल कारोबारी मूल्य लगभग 13 बिलियन डॉलर था, जो शपथ के सिर्फ दो दिनों के भीतर 29 बिलियन डॉलर में बदल चुका था। डेटा ट्रैकर, 'कॉइन गेक्को' के अनुसार, 'जारी किए गए 200 मिलियन टोकन में से प्रत्येक का मार्केट वैल्यू 64 डॉलर है।' क्रिप्टो मार्केट में ऐसी तेजी बरकरार रही, तो ट्रंप को दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक बना देगी। क्रिप्टो कॉइन के कारोबार शुरू होने से पहले, फोर्ब्स ने ट्रंप की कुल संपत्ति 6.7 बिलियन डॉलर बताई थी।

'ट्रुथ सोशल' एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जिसका स्वामित्व 'ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप' के पास है। यह प्रचार का कमाल है, कि क्रिप्टो में निवेश करने वाले लोगों को 'ट्रुथ सोशल' पर भरोसा होने लगा है। लेकिन, नए उद्यम से होने वाले हितों के टकराव को लेकर कई सवाल भी उठे हैं, कि क्या ट्रंप ने अपनी ताकत का दुरुपयोग अभी से शुरू कर दिया है? ट्रम्प ने शुक्रवार रात को नए टोकन, 'डॉलर ट्रम्प' के लॉन्च की घोषणा की, जब सैकड़ों लोग व्हाइट हाउस से कुछ ही दूर क्रिप्टो-प्रेरित उद्घाटन समारोह के लिए एकत्र हुए। इस वेंचर को ट्रंप भक्तों ने इस संकेत के रूप में सराहा, कि डिजिटल मुद्राएं अब संयुक्त राज्य अमेरिका की मुख्यधारा में आ रही हैं। तो क्या ये डॉलर को भी रिप्लेस करेंगे? लंबे समय से क्रिप्टो निवेश में लगे रहे लोगों ने कहा, कि नया डिजिटल सिक्का, जिसे 'मेमेकॉइन' के रूप में जाना जाता है, क्रिप्टो ट्रेडिंग के इतिहास में हाहाकारी साबित हो सकता है। 'मेमेकॉइन' एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जो किसी भी सेलिब्रिटी शुभंकर से जुड़ी होती है।

सेलिब्रिटी को छोड़ दें, तो कुत्ते भी अब मेमेकॉइन के शुभंकर हैं। 2021 में पहले मेमेकॉइन में से एक, डॉग-आधारित डिजिटल मुद्रा था, जिसे 'डॉगकॉइन' कहा जाता है। इस डिजिटल मुद्रा ने रातों-रात करोड़पति बनाए, लेकिन उतनी ही जल्दी इसने अपना मार्केट वैल्यू खो दिया। मेमेकॉइन

के मामले में सच है, कि उसकी कीमतों में तेजी से उतार-चढ़ाव होता है। मेमेकॉइन की कीमतें अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग हो सकती हैं, जिससे किसी सिक्के का वास्तविक मूल्य निर्धारित करना मुश्किल हो जाता है। नई क्रिप्टोकरेंसी की कीमत अक्सर बहुत बढ़ जाती है, लेकिन जब सिक्के के धारक उसे बेचना शुरू करते हैं, तो वे गिर जाते हैं। ट्रम्प यह सब तुरंत नहीं करेंगे, पहले 'डॉलर मेलानिया' और 'ट्रंप मेमेकॉइन' की कीमतों को बुलंदी पर ले जायेंगे। ट्रंप के पांच बेटों में से एक ली रेनर्स, दूसरे एरिक ट्रम्प, क्रिप्टो करेंसी कारोबार में आगे आ चुके हैं। 2024 क्रिप्टो के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष था, जिसमें बिटकॉइन 100,000 डॉलर को पार कर गया। 'यू.एस. सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन' ने बिटकॉइन रखने वाले पहले एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड को मंजूरी दी। अब, क्रिप्टो उत्साही, ट्रम्प के इस वादे पर भरोसा कर रहे हैं, कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की 'बिटकॉइन महाशक्ति' बनाएंगे। अमेरिका पहले से ही बिटकॉइन का सबसे बड़ा संप्रभु धारक है। 'बिटबो' के डेटा के अनुसार, अमेरिका में 200,000 से अधिक बिटकॉइन हैं, जो लगभग 22 बिलियन डॉलर के बराबर है। अमेरिका अंदर ही अंदर मंदी के खतरे से गुजर रहा है, चुनांचे उसके कई राज्यों में अल सल्वाडोर मॉडल को अपनाने की कोशिशें चुनाव से पहले शुरू हो चुकी थीं। नवंबर में पेंसिल्वेनिया के प्रतिनिधि सभा में पेश किए गए एक विधेयक में राज्य के कोषाध्यक्ष और सार्वजनिक पेंशन फंड को बिटकॉइन में निवेश करने के लिए अधिकृत करने की मांग की गई थी। लेकिन, सबलोग इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

'नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टेट रिटायरमेंट एडमिनिस्ट्रेटर' के शोध निदेशक, कीथ ब्रेनार्ड ने कहा, कि हमें उम्मीद नहीं है कि कई सार्वजनिक पेंशन फंड निवेश पेशेवर, जो लगभग 6 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति की देखरेख करते हैं, क्रिप्टो में निवेश करेंगे। क्रिप्टो में निवेश के साथ जोखिम लेना कौन पेंशनर चाहेगा? लुइसियाना के कोषाध्यक्ष जॉन फ्लेमिंग ने कहा, 'मेरी चिंता यह है कि किसी समय यह बढ़ना बंद हो जाएगा, और फिर लोग इसे भुनाना चाहेंगे।' विरोधाभासी स्थिति में अमेरिका के बाक़ी राज्य क्रिप्टो करेंसी को कितना स्वीकार करते हैं।

चीन की परियोजना से उत्पन्न होते खतरे

पंकज चतुर्वेदी

भारत, बांग्लादेश और भूटान इस बात को लेकर चिंतित थे कि चीन तिब्बत में दुनिया की जो सबसे बड़ी जल-विद्युत परियोजना शुरू कर रहा है, वह भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है और ऐसे बांधों से दक्षिण एशिया में बड़ी तबाही हो सकती है। इसी बीच, तिब्बत में 6.8-7.1 तीव्रता के भूकंप ने करीब 200 लोगों की जान ले ली और बड़े क्षेत्र को प्रभावित किया। चीन का प्रस्तावित बांध जल सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संतुलन और क्षेत्रीय रिश्तों के मामले में आशंकाएं पैदा कर रहा है। दरअसल, ब्रह्मपुत्र नदी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की जीवन रेखा है, और इसके प्रवाह में किसी भी महत्वपूर्ण बदलाव से जल उपलब्धता संकट में पड़ सकती है, खासकर शुष्क मौसम में। बांध से नदी के प्रवाह पर चीन के रणनीतिक नियंत्रण का डर है, जो किसी तनाव के समय प्रभाव डाल सकता है।

यह जलविद्युत परियोजना यारलुंग जांग्बो नदी (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) के निचले हिस्से में हिमालय की एक विशाल घाटी में बनाई जाएगी। इस बांध के कारण भारत सहित कई अन्य देशों में भय का कारण यह भी कि परियोजना स्थल टेक्टोनिक प्लेट सीमा पर स्थित है। तिब्बती पठार, जिसे दुनिया की छत माना जाता है, अक्सर भूकंप की मार झेलता है क्योंकि यह टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर स्थित है। 60 गीगावाट की यह परियोजना नदी प्रवाह के ऐसे मोड़ पर बनाई जा रही हैं जहां से सियांग या दिहांग नदी के रूप में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करने से पहले तिब्बती प्लैट्यू पर यारलुंग बेहद ऊंचाई से गिरती है। इस मोड़ के लगभग 50 किलोमीटर के इलाक़े को इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी 2,000 मीटर की ऊंचाई से गिरे और उसके ज़रिए पनबिजली पैदा की जा सके। चीन ने अभी तक यारलुंग नदी का इस्तेमाल बिजली बनाने में सबसे कम किया है, महज 0.3 फीसदी। अब उसने मेडॉग इलाक़े के पास अपनी भौगोलिक सीमा के लगभग अंतिम छोर पर नदी को रोकने की योजना का क्रियान्वयन शुरू कर दिया। चीन द्वारा विशाल नदियों पर बांध बनाकर जलाशयों में पानी रोकने से लंबी अवधि में नदी के पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता पर गंभीर असर पड़ेगा।

इसके जवाब में, भारत भी अपने हिस्से की नदी पर 10 गीगावाट क्षमता का बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि, यदि चीन नदी के मुख्य प्रवाह को नियंत्रित करेगा, तो भारत की जल जरूरतों का नियंत्रण भी चीन के पास होगा, और भारत को भी पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाना पड़ेगा। दोनों देशों की ये हाइड्रोपॉवर परियोजनाएं इस क्षेत्र के पारिस्थितिकी नुकसान को बढ़ा सकती हैं, जिससे जल पारितंत्र स्थिर हो सकता है और स्वच्छ जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। सदियों पहले नदियों के साथ बह कर आई जिस मिट्टी ने कभी असम राज्य का निर्माण किया, अब वही द्रुत-व्यापक जलधाराएं इस राज्य को बाढ़ व भूमि कटाव से श्रापित कर रही हैं।

ब्रह्मपुत्र, बराक तथा उनकी करीब 50 सहायक नदियों का तेज बहाव अपने किनारे की बस्तियों और खेतों को लगातार उजाड़ता रहा है, जिससे राज्य में कई तरह के संकट उत्पन्न होते हैं, जिनमें विस्थापन और भूमिहीनता प्रमुख हैं। आज भी असम और पूर्वोत्तर के कई इलाकों में बाढ़ के साथ आने वाली तलछट से नई भूमि बनती है, जो वहां की खेती का आधार है। यदि भविष्य में तिब्बत और भारत की सीमा पर बड़े बांधों का निर्माण किया जाता है, तो यह तलछट की आवक को रोक देगा। बांधों और जलाशयों के कारण बड़ी मात्रा में तलछट एकत्र हो जाएगा, जिससे नदी के किनारे कटाव बढ़ जाएगा। चीन में बनाए गए थ्री गोरजेस डैम इसका उदाहरण हैं, जहां बांध के नीचे आने वाली नदियों के किनारों पर कटाव बढ़ा है। भारत में पूर्वोत्तर राज्य पहले ही इस प्रकार के भू-कटाव से प्रभावित हैं। इतनी विशाल मात्रा में भारत के 'सिर' पर एकत्र जल-निधि हमारी सुरक्षा को भी खतरा है। यदि भूकंप या किन्हीं प्राकृतिक कारणों से बांध फट जाए या फिर युद्ध की स्थिति में चीन इसका पानी नीचे बहा दे तो भारत को जान-माल का काफी नुकसान हो सकता है। यह क्षेत्र भूकंपीय रूप से संवेदनशील है, और धरती के भीतर से उभरने वाले आंतरिक दबाव के परिणामस्वरूप भूकंप यहां लगातार महसूस किए जाते हैं।

यह पूरा इलाका लगातार नमीदार बना रहता है। जलवायु परिवर्तन के कारण सर्वाधिक संवेदनशील तिब्बत के पहाड़ों पर अचानक तेज बरसात, तापमान में बेहद उतार-चढ़ाव, हिमस्खलन, भूस्खलन, और मलबे के बहाव जैसी स्थितियों की मार बहुत गहरी है और उनका पूर्वानुमान जटिल है। चूंकि भारत और चीन के बीच में कभी जल को लेकर कोई संधि हुई नहीं है। वह वास्तविक आंकड़े और गतिविधियां कभी पड़ोसी से साझा नहीं करता। इस बांध के कारण प्रभावित इलाकों में अरुणाचल प्रदेश का वह हिस्सा भी है जिस पर चीन दावा करता रहा है। बता दें कि चीन और पाकिस्तान में मित्रता है, चीन ने पाकिस्तान में काफी निवेश भी किया है। हाल के वर्षों में भारत पाकिस्तान को सिंधु नदी और पंजाब की नदियों का पानी रोकने की धमकी देता रहा है। सिंधु नदी तिब्बत से निकलती है और लद्दाख होते हुए पाकिस्तान में प्रवेश करती है, जहां इसकी पानी की मात्रा नील नदी से भी अधिक है। भारत ने इस नदी के पानी के बंटवारे पर किए गए पुराने समझौतों पर पुनर्विचार की बात की है। ऐसे में संभावना है कि जब चीन अपने बांधों के जल-नियंत्रण पर चर्चा करेगा, तो वह पाकिस्तान को मिसाल सामने रखेगा।

सर्दियों में घर पर करें ये योगासन

शरीर रहेगा गर्म और फिट

सर्दियों का मौसम आ गया है। इस मौसम में ठंडी हवाएं चलने लगती हैं। तापमान में गिरावट आ जाती है, जिससे काफी ठंड महसूस होती है। इस कारण इस मौसम में लोग घर से बाहर निकलने, खासकर सुबह और शाम के वक्त टहलने जाने से बचते हैं। जिन लोगों को पैदल टहलने या जॉगिंग,रनिंग की आदत है वो भी सर्दियों में बाहर वॉक पर नहीं जाना चाहते हैं। हालांकि स्वस्थ जीवनशैली के लिए शरीर को सक्रिय बनाए रखना जरूरी है, जिसके लिए व्यायाम और योग करना चाहिए। वहीं सर्दियों में घर से बाहर निकलने का मन न होने पर घर पर ही कुछ योगासनों का अभ्यास कर सकते हैं। ये आसन शरीर को सक्रिय बनाए रखते हैं और वॉक या रनिंग जैसे लाभ भी शरीर को पहुंचाते हैं। इसके साथ ही इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और सर्दियों में शरीर के तापमान में गर्माहट लाते हैं ताकि ठंड कम महसूस हो। तो आपको घर पर रहकर सर्दियों में इन योगासनों का अभ्यास नियमित तौर से करना चाहिए।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार को पूरे शरीर का वर्कआउट माना जाता है। इसमें कुल 12 मुद्राएं होती हैं। नियमित रूप से सूर्य नमस्कार करने से शरीर में लचीलापन आता है, शरीर में ब्लड सर्कुलेशन और ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। दिल की बीमारियों का रिस्क कम होता है, शरीर के विषैले तत्व बाहर निकलते हैं, इम्युन सिस्टम और नर्वस सिस्टम दुरुस्त होता है और दर्द व अकड़न से राहत मिलती है। डायबिटीज, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से बचाव होता है, साथ ही तनाव कम होता है। इसके नियमित अभ्यास सेहत को काफी लाभ मिलता है। वजन कम करने के साथ ही पाचन बेहतर करता है।

कपालभाति प्राणायाम

कपालभाति योग षट्कर्म (हठ योग) की एक विधि (क्रिया) है। संस्कृत में कपाल का अर्थ होता है माथा या ललाट और भाति का अर्थ है तेज ... अर्थात कपालभाति वह प्राणायाम है, जिससे मस्तिष्क स्वच्छ होता है और इस स्थिति में मस्तिष्क की कार्यप्रणाली सुचारु रूप से संचालित होती है। कई प्रकार के प्राणायाम में से एक कपालभाति प्राणायाम है, जिसके अभ्यास से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। कपालभाति से पेट की चर्बी तेजी से कम होती है। मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और पाचन में सुधार होता है। इस प्राणायाम के अभ्यास के लिए सबसे पहले सुखासन या पद्मासन में बैठें। फिर नाक से सांस को तेज़ी से बाहर छोड़ें और पेट को अंदर की ओर खींचें। इसे 1 मिनट तक दोहराएं।

नौकासन

आप सर्दियों के मौसम में खुद को हेल्दी और शरीर को गर्म रखने लिए नौकासन भी कर सकते हैं। इसे इंग्लिश में बोट पोज भी कहते हैं। नौकासन का अभ्यास करने के लिए योग मैट पर पहले आराम से बैठ जाएं। अब अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ फैला लें। दोनों हाथों को फर्श पर रखें। अब बैलेंस बनाते हुए अपने दोनों पैरों को सामने की तरफ ऊपर की तरफ धीरे-धीरे उठाएं। साथ ही पीठ और हाथों को भी फर्श से उठाएं। पैर बिल्कुल मोड़े ना। सांस को धीरे-धीरे छोड़ते हुए दोनों पैरों को फर्श से लगभग 45 डिग्री तक उठाकर रखें। इसी पोजीशन में लगभग 15 से 20 सेकेंड तक बने रहें। सांस लेते रहें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़कर पहले की अवस्था में आ जाएं।

शीर्षासन

शीर्षासन का नियमित अभ्यास करके भी आप खुद को सर्दियों में गर्म रख सकते हैं। इससे एकाग्रता बढ़ती है। आंखों, दिमाग और संपूर्ण शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम जैसे स्ट्रेस, एंजायटी, डिप्रेशन से भी बचाव हो सकता है। इतना ही नहीं, सर्दियों के मौसम में शीर्षासन करने से शरीर में गर्मी उत्पन्न होती है। पेट की कई समस्याएं भी समाप्त होती हैं। शीर्षासन करने के लिए एक दीवार के पास सहारा लेकर आपको खड़ा होना है। सिर को फर्श की तरफ और पैरों को दीवारों पर सटा कर रखें। अपनी क्षमतानुसार इस आसान का अभ्यास करें। पहली बार कर रहे हैं तो किसी एक्सपर्ट की गाइडेंस में ही करें।

अधो मुख श्वानासन

इस आसन से पूरा शरीर स्ट्रेच होता है, जिससे मांसपेशियों में अकड़न और दर्द से राहत मिलती है। हाथ, कंधे, पीठ और पैरों को मजबूत बनाने के लिए ये आसन असरदार है। यह आसन तनाव या स्ट्रेस को कम करता है। अधोमुख श्वानासन शारीरिक स्वास्थ्य से लेकर मानसिक स्वास्थ्य तक का ख्याल रखता है। यह शरीर में नर्वस सिस्टम के लिए अच्छा होता है, जिससे तनाव कम हो सकता है। अधोमुख श्वानासन एक कारगर स्ट्रेस रिलीविंग एक्सरसाइज है। अधोमुख श्वानासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर पैरों और हाथों को जमीन पर रखते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं। इस प्रक्रिया में शरीर का आकार वी शेप में आ जाएगा। अब सिर को नीचे की ओर रखते हुए एड़ियों को फर्श की ओर दबाएं। इस स्थिति में 30 सेकेंड रहें, फिर सामान्य मुद्रा में आ जाएं।

हंसना मना है

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई... दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं...

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू-वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर-सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं, संजू - पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी-किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

कहानी | अपनी भाषा पर गर्व

बात उन दिनों की है जब स्वामी विदेश यात्रा पर गए थे। वहां उनके आदर-सत्कार के लिए कई लोग आए। उनमें से कुछ लोगों ने स्वामी से साथ हाथ मिलाना चाहा और कुछ ने अंग्रेजी में उनसे 'हेलो' कहा। स्वामी विवेकानंद ने जवाब में हाथ जोड़ते हुए सबको नमस्कार कहा। यह देखकर कुछ लोगों ने सोचा कि स्वामी को अंग्रेजी नहीं आती है, इसलिए वो जवाब में नमस्ते कह रहे हैं। ऐसा सोचकर भीड़ में से एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से हिंदी में पूछा कि आप कैसे हैं? हिंदी में सवाल सुनकर स्वामी विवेकानंद मुस्कुराए और उसे इंग्लिश में जवाब दिया, आई एम फाइन, थैंक यूं। स्वामी विवेकानंद का अंग्रेजी में जवाब सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। लोगों के मन में हुआ कि जब इनसे अंग्रेजी में सवाल किया गया तब हिंदी में जवाब मिला और फिर हिंदी में बात करने पर इंग्लिश में जवाब मिला। आखिर ऐसा क्यों हुआ। तभी एक व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से यह सवाल पूछ ही लिया। इसका जवाब देते हुए स्वामी विवेकानंद ने बड़ी ही विनम्रता से कहा कि जब आप लोगों ने अंग्रेजी में बात करके अपनी भाषा को आदर दिया, तब मैंने अपनी भाषा को मां मानकर उनका सम्मान करते हुए हिंदी में जवाब दिया। स्वामी विवेकानंद की इस बात को सुनकर वहां मौजूद सारे विदेशी हैरान रह गए और तभी से हिंदी भाषा को पूरे विश्व में सम्मान मिलने लगा। इस किस्से से स्वामी विवेकानंद का अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति प्यार और आदर झलकता है।

कहानी की सीख: हमेशा अपनी राष्ट्र भाषा को सम्मान देना और उस पर गर्व महसूस करना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं का भी इतना ज्ञान होना जरूरी है कि हम सामने वाले की बात को समझ सकें।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नई आर्थिक नीति बन सकती है।

मिथुन

कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी।

कन्या

नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुम्भ

निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा करियर नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ : उर्मिला

बॉलीवुड में डायरेक्टर और एक्टर की कई हिट जोड़ियां रही हैं। ऐसी ही एक हिट जोड़ी रामगोपाल वर्मा और उर्मिला मातोंडकर की भी रही। उन्होंने साथ में रंगीला, सत्या, कौन और भूत जैसी हिट फिल्में दीं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं। इसी के कारण यह भी मान लिया गया कि शायद लड़ाई की वजह से ही उर्मिला और रामगोपाल वर्मा ने साथ में कोई फिल्म नहीं की। लेकिन उर्मिला ने रामगोपाल वर्मा से झगड़े की खबरों को गलत बताया और कहा कि उन्होंने डायरेक्टर संग काम करना कभी बंद नहीं किया। उर्मिला ने यह भी कहा उनका करियर रामगोपाल के कारण नहीं बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया। उर्मिला मांतोडकर ने रामगोपाल वर्मा संग मतभेदों और लड़ाई की खबरों का खंडन करते हुए ईटाइम्स से कहा, ऐसी कोई बात नहीं है कि हमने काम करना बंद कर दिया है। रामगोपाल वर्मा और मेरे बीच कोई मनमुटाव नहीं था। मैंने कंपनी और राम गोपाल वर्मा की आग जैसी उनकी फिल्मों में स्पेशल सॉन्ग किए। इसके बाद मनीषा ने 90 प्रतिशत में नेपोटिज्म पर भी बात की। वह बोलीं, 90 के दशक में मीडिया मेरी एक्टिंग की काबिलियत को छोड़कर मेरे बारे में हर चीज पर फिदा था। आज लोग खुलकर नेपोटिज्म पर बात करते हैं। पुराने जमाने में भी, मेरे आसपास ऐसे एक्टर्स थे, जो फिल्मी परिवारों से आते थे। कई लोग इस सच को बर्दाश्त नहीं कर सके कि मध्यवर्गीय मराठी पृष्ठभूमि से आने वाली एक लड़की अपना काम कर रही थी और चमक रही थी। उर्मिला ने आगे कहा, मैंने किसी के सपोर्ट के बिना अपने दम पर अपनी जगह बनाई। मैं यह बात गर्व से कहूंगी कि मैं लोगों द्वारा बनाई गई स्टार हूं। मेरा काम हमेशा अपने बारे में बोलता है। मुझे आइटम गर्ल और सेक्स सायरन के रूप में देखा गया। उर्मिला मातोंडकर को इस बात की खुशी है कि आज मीडिया का महिलाओं के प्रति अलग नजरिया है।

महारानी येसूबाई के किरदार में रश्मिका मंदाना ने ढाया कहर

फिल्म छावा से कुछ ही दिन पहले विक्की कौशल का संभाजी महाराज के किरदार में कई नए पोस्टर जारी किए गए थे। अब आज कुछ ही मिनटों पहले रश्मिका मंदाना का महारानी येसूबाई के किरदार में लुक जारी किया गया है। साथ ही फिल्म छावा के ट्रेलर की जानकारी भी दी है कि कब फिल्म छावा का ट्रेलर रिलीज होगा।

मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म छावा से रश्मिका मंदाना का लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और लिखा प्रत्येक महान राजा के पीछे बेजोड़ ताकत वाली एक रानी खड़ी होती है। स्वराज्य का गौरव- महारानी येसुबाई के रूप में रश्मिका मंदाना का परिचय। मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म छावा से रश्मिका के महारानी यशुबाई के किरदार में दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में रश्मिका मंदाना मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इस नए लुक में रश्मिका हैवी ज्वैलरी के साथ किसी को निहारती दिख रही हैं। वहीं एक और तस्वीर भी है, जिसमें रश्मिका बेहद सीरियस नजर अ रही हैं।

रश्मिका के इस लुक के साथ फिल्म निर्माताओं ने यह जानकारी भी शेयर की है कि फिल्म छावा का ट्रेलर रिलीज हो गया। यह फिल्म 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। मैडॉक फिल्म्स ने छावा को प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक लक्ष्मण उतेकर हैं। फिल्म का ट्रेलर 22 जनवरी को रिलीज होगा।

छावा के अलावा विक्की कौशल निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म महावतार में नजर आएंगे। इस फिल्म में विक्की चिरंजीवी परशुराम भगवान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया जा चुका है, जिसमें विक्की के लुक की काफी प्रशंसा हुई थी। फिल्म महावतार योद्धा चिरंजीवी परशुराम की कहानी पर आधारित होगी। यह फिल्म सिनेमाघरों में क्रिसमस के मौके पर साल 2026 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मसाला

7 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी नागा चैतन्य की फिल्म 'थंडेल'

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आगामी फिल्म थंडेल उनकी अगली बड़ी रिलीज फिल्म है। थंडेल की रिलीज से पहले फिल्म निर्माताओं ने इसे बड़े पैमाने पर प्रमोट करने का फैसला लिया है।

चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित यह फिल्म रोमांस और देशभक्ति का मिला जुला संगम है। यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। यह नागा चैतन्य के करियर की सबसे महंगी परियोजना में से एक बताई जा रही है, जो वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है।

फिल्म में नागा का किरदार उनकी बाकी रिलीज हो चुकी फिल्मों से हटकर होगा, यही वजह है कि फिल्म को अब बड़े पैमाने पर प्रमोट करने का फैसला लिया गया है। कथित तौर पर गीता आर्ट्स फिल्मों को बड़े पैमाने पर प्रमोट करता है और इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट के लिए भी यही होगा।

जानकारी के अनुसार, फिल्म मेकर्स थंडेल की रिलीज से पहले दो और गाने और एक ट्रेलर लॉन्च करेंगे। कथित तौर पर फिल्म को गैर-तेलुगु दर्शकों के करीब ले जाने के लिए मुंबई और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही है।

कथित तौर पर विजाग में एक भव्य प्री-रिलीज इवेंट होने की संभावना है, जिसके साथ प्रचार अभियान खत्म हो सकता है। थंडेल के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम लगातार चल रहा है। पहला सिंगल, बुज्जी थल्ली, एक चार्टबस्टर है, और अगर फिल्म को एक और बड़ा हिट गाना मिलता है, तो इसका प्रचार अपने आप ही बहुत बड़ा हो जाएगा। बनी वास इस प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहे हैं, जबकि देवी श्री प्रसाद संगीत निर्देशक हैं।

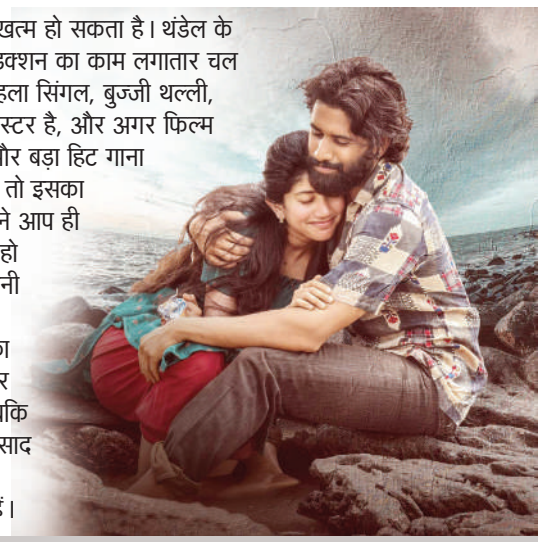

अजब-गजब | इस राज्य को बनाया गया है सर्प और कुत्तामुक्त

भारत का वो राज्य, जहां पर नहीं है एक भी सांप

सांप धरती का ऐसा जीव है, जिसके सामने आते ही लोग कांप जाते हैं, भले ही वो जहरीला हो या नहीं। भारत में सांपों की 350 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं और हर साल इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। ग्रामीण इलाकों में तो सांपों का दिखना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन शहरों में भी ये दिख ही जाते हैं।

भारत में पाए जाने वाले केवल 17 प्रतिशत सांप ही जहरीले होते हैं। हालांकि इनकी पहचान हर किसी को नहीं होती है। देश में केरल को सबसे अधिक सांपों की प्रजातियों वाला राज्य माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में एक राज्य ऐसा भी है जहां सांप नहीं हैं?

इस सवाल का जवाब ढूंढने में आपको अपने दिमाग के घोड़े खोलने पड़ेंगे। ये वही राज्य है, जो अपनी सुंदरता के लिए कुछ महीनों पहले खूब सुर्खियों में छाया हुआ था। दरअसल ये एक केंद्र शासित राज्य है और इसका नाम है लक्षद्वीप। लक्षद्वीप में 36 छोटे-छोटे द्वीप मौजूद हैं। लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या लगभग 64,000 है। 32 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले लक्षद्वीप में 96 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं, अन्य 4 प्रतिशत हिंदू, बौद्ध और अन्य धर्म के लोग निवास करते हैं।

हालांकि लक्षद्वीप में 36 द्वीप हैं, लेकिन उनमें से केवल 10 पर ही लोग रहते हैं।

रिहायशी द्वीपों में कावारती, अगाथी, अमिनी, गडमत, गिलाटन, सेटलाट, बितरा, एंडो, कलबानी और मिनिकई द्वीप शामिल हैं।

दिलचस्प बात यह है कि इनमें से कई द्वीपों पर 100 से भी कम निवासी हैं। यह देश का एकमात्र सर्प-मुक्त राज्य है। लक्षद्वीप की वनस्पतियों और जीवों के अनुसार, लक्षद्वीप एक सर्प-मुक्त राज्य है। यहां कुत्ते भी नजर नहीं आते। लक्षद्वीप प्रबंधन अपने द्वीप को सांप और कुत्ते से मुक्त रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। यहां आने वाले पर्यटकों को भी अपने साथ कुत्ते लाने की इजाजत नहीं है। यहां कौवे जैसे पक्षी अच्छी संख्या में मिलते हैं। एक और बात लक्षद्वीप को बाकियों से अलग करती है। वो है सिरेनिया या समुद्री गाय, जो यहीं पर पाई जाती है और यह भी एक लुप्तप्राय प्रजाति है।

इस देश में नहीं है एक भी नदी, दुनिया के सबसे अमीर देशों में है शुमार

हम जानते हैं कि सामान्य ज्ञान किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। बिना इसकी तैयारी के किसी भी सरकारी नौकरी में सफलता हासिल करना मुश्किल होता है। ऐसे में हर कोई सामान्य ज्ञान से लेकर करेंट अफेयर्स की जानकारी रखता है। इतना ही नहीं, इन प्रतियोगी परीक्षाओं में सामान्य ज्ञान के साथ-साथ करेंट अफेयर्स की भी जानकारी होनी चाहिए। इनसे ज्ञान बढ़ाने में मदद मिलती है, देश-विदेश की कई जानकारियां पता चलती हैं, जो हमारे जीवन में हमेशा काम आएंगी। लेकिन आज इस रिपोर्ट में हम एक ऐसा सवाल लेकर हाजिर हुए हैं, जिसका जवाब कई लोगों को पता नहीं होगा। बताओ दुनिया के किसी भी देश में कोई नदी नहीं है? आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया का वह देश हमारे ठीक बगल में है, जहां कोई नदी नहीं है। यहाँ तक कि उस देश में वर्षा भी अधिक नहीं होती। लेकिन वह देश सबसे अमीर देशों में से एक है। उस देश का नाम है सऊदी अरब, जहां कोई नदी या झील मौजूद नहीं है। सऊदी अरब अधिकतर भूजल पर निर्भर है। इस देश की जीडीपी का एक बड़ा हिस्सा पानी पर खर्च होता है। इसके अलावा वेटिकन सिटी जैसा छोटा-सा देश भी है, जहां नदी नहीं है। हालांकि, सऊदी अरब में कोई नदी नहीं है, लेकिन यह देश दो समुद्रों से घिरा हुआ है। इसके पश्चिम में लाल सागर है और पूर्व में यह फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है। ये दोनों समुद्र सऊदी अरब के लिए बेहद व्यावसायिक महत्व रखते हैं। चूंकि सऊदी अरब में नदियां नहीं हैं, इसलिए यहां अभी भी कुओं का उपयोग किया जाता है। हालांकि, धीरे-धीरे अब सऊदी का भूजल स्तर भी समाप्ति की ओर है। इसीलिए समुद्री जल का उपयोग पीने योग्य जल बनाने के रूप में किया जाता है, जो बहुत महंगा है।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर सरकार जल्दबाजी में क्यों : ए. राजा

» डीएमके नेता ने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल को लिखा पत्र

» 24, 25 जनवरी की बैठक को निलंबित करने का किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डीएमके नेता ए राजा ने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखकर 24 और 25 जनवरी को निर्धारित बैठकों को स्थगित करने की मांग की है। ए राजा ने अपने पत्र में लिखा है कि लोकसभा सचिवालय द्वारा 20 जनवरी 2025 को भेजे गए पत्र के अनुसार, जेपीसी के सभी सदस्यों से प्रस्तावित विधेयक में संशोधन के लिए आज यानी 22 जनवरी 2025 तक शाम 4 बजे तक अपने सुझाव भेजने को कहा गया था। इसके साथ ही, 24 और 25 जनवरी को विधेयक के प्रत्येक खंड पर चर्चा करने के लिए जेपीसी की अगली बैठक भी निर्धारित की गई थी।

ए राजा ने पत्र में लिखा है कि जेपीसी के सदस्य 21 जनवरी 2025 को पटना, कोलकाता और लखनऊ में संबंधित पक्षों से मिलने के लिए आयोजित दौरे पर थे, इसके बाद सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों में भेज दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह बहुत अजीब है कि जेपीसी की अगली बैठक के लिए तारीखें बिना किसी औपचारिक चर्चा के जल्दी से घोषित कर दी गईं, जबकि जेपीसी सदस्य दौरे पर थे। लखनऊ में हुई जेपीसी बैठक के दौरान भी सदस्यों ने यह अनुरोध किया था कि 24 और 25 जनवरी को प्रस्तावित बैठकें व्यावहारिक रूप से संभव नहीं हैं, क्योंकि सदस्यों को स्थानीय कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है।

सदस्यों को मिलना चाहिए उचित समय

राजा ने आगे लिखा कि लखनऊ बैठक (21 जनवरी 2025) में अधिकांश सदस्यों ने यह अनुरोध किया था कि 24 और 25 जनवरी को प्रस्तावित जेपीसी बैठकें स्थगित कर दी जाएं और उन्हें 30 और 31 जनवरी 2025 को आयोजित किया जाए, ताकि सदस्यों को उचित समय मिल सके और वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर सकें। उन्होंने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि जेपीसी बैठक को स्थगित करने की मांग को आप सकारात्मक रूप से विचार करने का आश्वासन पहले ही दे चुके हैं और इस पर सरकार से परामर्श के बाद निर्णय लिया जाएगा।

वक्फ की जमीन कब्जाना चाहती है भाजपा : अखिलेश

एक दिन पहले लखनऊ में वक्फ संशोधन अधिनियम पर हुई जेपीसी की बैठक पर सपा मुखिया ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोग वक्फ की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। ये लोग समाज में नफरत फैलाना चाहते हैं।

कम समय में साक्ष्य कैसे होगा इकट्ठा

ए राजा ने बताया कि सदस्यों को इतनी कम समय में उन साक्ष्यों और सामग्री को पुनः प्राप्त करने में मुश्किल हो रही है, जो संशोधन प्रस्तुत करने और उस पर चर्चा करने के लिए आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पटना, कोलकाता और लखनऊ में आयोजित दौरे के दौरान भाग लेने वाले हितधारकों से सात दिनों के भीतर लिखित सुझाव प्रस्तुत करने को कहा गया था और कमेटी उस पर विचार कर रही है।

धर्मनिरपेक्षता को लेकर संदेह उत्पन्न करेगा

ए राजा ने आगे कहा कि अगर 24 और 25 जनवरी को जेपीसी की बैठकें स्थगित नहीं की जाएंगी, तो इसका उद्देश्य विफल हो जाएगा और यह भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्षता को लेकर संदेह उत्पन्न करेगा। उन्होंने यह निवेदन किया कि जेपीसी की बैठकें 30 और 31 जनवरी को आयोजित की जाएं, जैसा कि लखनऊ में चर्चा की गई थी।

नीतीश ने मणिपुर जदयू इकाई प्रमुख को हटाया

» बोले- बीजेपी को जारी रहेगा समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) की मणिपुर इकाई द्वारा मणिपुर में एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के कुछ ही समय बाद, पार्टी ने राज्य में भाजपा से नाता तोड़ने का निर्णय लेने से पहले केंद्रीय नेतृत्व से परामर्श नहीं करने के लिए मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से हटा दिया। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मणिपुर में भाजपा के साथ संबंध तोड़ने के पार्टी के फैसले की खबर को भ्रामक और निराधार बताया। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि हमने एनडीए को समर्थन दिया है और मणिपुर में एनडीए सरकार को हमारा समर्थन भविष्य में भी जारी रहेगा। मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया, उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। उन्होंने खुद ही पत्र लिखा था। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया। पार्टी प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि हम एनडीए के साथ हैं और राज्य इकाई राज्य के विकास के लिए मणिपुर के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने छह सीटें जीतीं, लेकिन चुनाव के कुछ महीनों बाद, पांच विधायक भाजपा में चले गए, जिससे सत्तारूढ़ दल की संख्या मजबूत हो गई। 60 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल बीजेपी के 37 विधायक हैं। इसे नागा पीपुल्स फ्रंट के पांच विधायकों और तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है, जिससे इसे आरामदायक बहुमत मिल गया है।

राजस्थान में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ीं : टीकाराम जूली

» नेता प्रतिपक्ष बोले- सरकार में कानून व्यवस्था चौपट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलवर। राजस्थान विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। भाजपा सरकार कानून व्यवस्था को बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और मेहणपुर की घटना इस विफल सरकार की असंवेदनशीलता और जातिवादी मानसिकता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। जूली ने कहा कि एक दलित युवक को पानी के मटके को छूने की वजह से बर्बरता से पीटा गया, पूरी रात बंधक बनाकर रखा गया और फिरौती वसूलने के बाद छोड़ा गया।

यह घटना न केवल दलित समाज के सम्मान और अधिकारों पर हमला है, बल्कि यह भाजपा सरकार की दलित विरोधी नीतियों को भी उजागर करती है। जूली ने कहा कि बाबा साहब आंबेडकर ने जिस समता मूलक समाज और संविधान का सपना देखा था, उसे राजस्थान की भाजपा सरकार ने तार-तार कर दिया है। बाबा साहब ने हमें समानता, न्याय और भाईचारे का मार्ग दिखाया था, लेकिन आज यह सरकार इन मूल्यों की खुलेआम अवहेलना कर रही है।

'सीएम दूधिया पर्दों में अदृश्य प्रगति को ढूंढ रहे'

» नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

» टूटी पुलिया के साथ प्रगति यात्रा के दौरान सीएम का फोटो वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किशनगंज। किशनगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान प्रस्तावित बाईपास स्थल का निरीक्षण करते समय सीएम ने सुरक्षा घेरा तोड़कर एक ऐसी पुलिया का जायजा लिया, जो किसी सड़क से नहीं जुड़ी थी और जिसका संपर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त था। इस घटना की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, जिसमें मुख्यमंत्री को टूटी पुलिया की ओर देखते हुए दिखाया गया है।

विपक्षी दलों ने इस मौके का फायदा उठाते हुए सरकार पर तीखा प्रहार किया। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और बिहार कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को शेयर करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। यह घटना राज्य में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति और प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। प्रगति यात्रा के दौरान सामने आई यह स्थिति सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि प्रगति सह दुर्गति यात्रा में रेड कार्पेट पर चलकर 20 वर्षों के मुख्यमंत्री दूधिया पर्दों के बीच से अदृश्य प्रगति को ढूंढते हुए। आगे उन्होंने लिखा कि बिहार में नीतीश कुमार और डीके कंपनी ने संगठित भ्रष्टाचार की लूट मचाते हुए कहीं-कहीं ऐसे दिखावटी आधारनिर्मित ढांचे और फर्जी कागजों पर लकीरें खींच कर 5,000 से अधिक पुल-पुलिया बनवा दिए हैं, जिनका कोई 'पहुंच पथ' नहीं है।

लूट के सरगना हैं एके और डीके

अधिकांश ऐसे पुल-पुलिया खेतों के बीच में ही अधर में लटके रहते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि ऐसे पुलों का नाजुक वक्त में टेंडर प्रक्रिया पूरी करा कर कार्यारंभ कराने का नाटक रचाया जाता है, ताकि बारिश और बाढ़ का सीजन आ जाए। फिर बारिश में गिने-चुने वो अर्धनिर्मित पुल-पुलिया ढह जाते हैं और बाकी बचे पुल-पुलिया को फिर ढाह गिनकर दुबारा फ्रेश टेंडर प्रक्रिया में भेज दिया जाता है। ऐसे में हजारों करोड़ की संस्थागत लूट अनवरत चलती रहती है और इस लूट के सरगना हैं एके और डीके।

भारत ने टी20 सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त

» 12.5 ओवर में 133 रन बनाकर इंडिया ने बनाया नया कीर्तिमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया। 133 रन के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 12.5 ओवर में हासिल कर लिया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 130 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की सबसे कम ओवरों में जीत है। टीम इंडिया ने इस मामले में चार साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दरअसल, इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 130 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के सबसे कम ओवर में चेज का रिकॉर्ड 15.2 ओवर का था। भारत ने ऐसा 2021 में नामीबिया के खिलाफ किया था। वहीं, 2024 में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 15.2 ओवर में 130+ रन के लक्ष्य का पीछा किया था। इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता टी20 में भारत ने इन सभी रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी ने इंग्लैंड को हार मानने पर मजबूर कर दिया। बता दें अभिषेक ने 20 गेंद में अर्धशतक जड़ा, जो कि टी20 में भारत के लिए भारतीय मैदान पर संयुक्त रूप से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। अभिषेक ने 34 गेंद में पांच चौके और आठ छक्के की मदद से 79 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 26 रन बनाए। तिलक वर्मा 19 रन और हार्दिक पांड्या तीन रन बनाकर नाबाद रहे।

अभिषेक ने जड़ा 20 गेंदों में अर्धशतक

अर्शदीप और हार्दिक खास लिस्ट में हुए शामिल

अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने भी खास उपलब्धि हासिल की। अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उनके नाम 97 विकेट हैं। अर्शदीप ने चहल को पीछे छोड़ा। चहल के नाम 96 विकेट हैं। हार्दिक लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उनके नाम 91 और भुवनेश्वर कुमार के नाम 90 विकेट हैं।

टैक्स टेररिज्म से पीड़ित मिडिल क्लास को हमने दी राहत : केजरीवाल

बोले- पिछले दस साल में आप सरकार ने लागू कीं जनहित की योजनाएं

» दिल्ली की जनता को पूर्व सीएम का वीडियो मैसेज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के लिए अपना एक वीडियो जारी करते हुए उन्हें टैक्स टेररिज्म के बारे में बताया। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी मिडिल क्लास के साथ-साथ गरीबों के लिए भी काम कर रही है। केजरीवाल के मुताबिक भारतीय मिडिल क्लास सरकारों के टैक्स टेररिज्म से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास को इसी टैक्स टेररिज्म से राहत देने के लिए ही कई जनहितकारी सुविधा मुफ्त दी गई हैं। अरविंद केजरीवाल ने अपने जारी किए वीडियो में कहा कि अन्य पार्टियों के लिए उद्योगपति नोट बैंक हैं और बाकी जनता वोट बैंक है। इस वोट बैंक और नोट बैंक के बीच में एक बहुत बड़ा ऐसा वर्ग है जो पीछे रह गया है।

उन्होंने कहा कि कोई भी भारत के मिडिल क्लास के हित की बात करने को तैयार नहीं है। आजाद भारत के 75 वर्ष में एक के बाद दूसरी पार्टी आई। एक सरकार के बाद दूसरी सरकार आई और इन सब लोगों ने मिडिल क्लास को दबाकर, डराकर और निचोड़कर रखा हुआ है। मिडिल क्लास और सरकार का एक बड़ा अजीब रिश्ता है। मिडिल क्लास के लिए ये लोग कुछ करते तो नहीं हैं, लेकिन जब-जब सरकार को इनकी जरूरत पड़ती है, तब तक मिडिल क्लास के ऊपर सरकार हथियार चला देती है। और यह हथियार है टैक्स। लेकिन बदले में मिडिल क्लास को क्या मिलता है, कुछ नहीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस वजह से बहुत से लोग देश छोड़कर जा रहे हैं। 2020 में 85 हजार भारतीय देश छोड़कर विदेश चले गए और 3 साल बाद आंकड़ा दिखता है कि तीन गुना यानी कि 2,16,219 लोग देश छोड़कर चले गए। यह हमारे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान और दुख की बात है, क्योंकि यह युवा जो हमारे देश का भविष्य बन सकता था, आज किसी और देश का भविष्य बन रहा है।

केजरीवाल लोगों को शराब और पैसे दे रहे : प्रवेश

नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा, लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है, नई दिल्ली विधानसभा से अरविंद केजरीवाल की जमानत जब्त होने वाली है। पंजाब से इतनी गाड़ियां यहां आई हैं, वे लोगों को शराब और पैसे दे रहे हैं, यहां के मतदाताओं को प्रभावित कर रहे हैं। कल दिल्ली पुलिस ने इसपर जवाब मांगा है। उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने दिल्ली की जनता का मजाक उड़ाया है, दिल्ली की जनता को बेकार की बातें और बेकार के नाटक से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें विकास चाहिए।

मिडिल क्लास सिर्फ एटीएम बनकर रह गया है

उन्होंने कहा कि भारत का मिडिल क्लास सरकार का सिर्फ और सिर्फ एक एटीएम बनकर रह गया। सच बात तो यह है कि इंडियन मिडिल क्लास टैक्स टेररिज्म का विक्टिम है। उन्होंने कहा कि मिडिल क्लास को इतना परेशान किया जाता है कि वो साल में 10 से 12 लाख रुपये कमाता है। तो इनकम टैक्स, जीएसटी, टूल टैक्स, सेल्स टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स, कॉरपोरेट टैक्स, सर्विस टैक्स, रजिस्ट्रेशन टैक्स, कैपिटल गेन टैक्स समेत न जाने कितना टैक्स देना पड़ता है। उसकी 50 प्रतिशत से ज्यादा आमदनी केवल और केवल सरकार को टैक्स देने में चली जाती है।

चुनाव आयोग को सीएम आतिशी ने लिखी चिट्ठी

चुनाव अधिकारी को सीएम आतिशी ने चिट्ठी लिखी है। आम आदमी पार्टी वॉलंटियर्स के मारपीट के केस को लेकर सीएम ने चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने लिखा कि पुलिस रमेश बिधूड़ी और उनके भतीजों को बचाने की कोशिश कर रही है। आप कार्यकर्ताओं से जबरदस्ती गलत बयान पर साइन करवाया जा रहा। एसएचओ गोविंदपुरी धर्मवीर और संबंधित अधिकारियों का तुरंत ट्रांसफर हो। पुलिस बिधूड़ी के खिलाफ केस रफादफा करना चाहती है।

सैफ पर हमला करने वाले आरोपी ने कबूला गुनाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सैफ अली खान पर अटैक मामले में हर दिन नए-नए अपडेट्स आ रहे हैं। पुलिस ने कुछ दिन पहले ही आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने सैफ के घर पर क्राइम सीन रीक्रिएट किया था। पुलिस ने सैफ पर जिस चाकू से हमला किया था उसका तीसरा टुकड़ा भी बरामद कर लिया है।। सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी शरीफुल इस्लाम ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है।

पुलिस सूत्रों से बड़ी जानकारी मिली है कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान सैफ अली खान पर हमला करने की बात कबूली है किसी भी मामले में आरोपी के कबूलनामे की बड़ी अहमियत होती है। बता दें कि 15 जनवरी को आधी रात में सैफ अली खान के घर पर आरोपी घुस आया था। वो चोरी के इरादे से सैफ अली खान के घर में घुसा था। आरोपी की सैफ अली खान के साथ हाथापाई हुई थी, इस दौरान सैफ अली खान घायल हो गए। सैफ अली खान पर 6 वार हुए थे, आरोपी हमला करके भाग गया था। इसके बाद सैफ को लीलावती हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। सैफ अली खान की वहां पर सर्जरी हुई, सैफ की रीढ़ की हड्डी के पास एक चाकू घुस गया था हालांकि, अब सैफ अली खान ठीक हैं, मंगलवार को वो डिस्चार्ज हो गए।

आरोपी के पिता ने किए खुलासे

मोहम्मद शरीफुल शहजाद के पिता का नाम मोहम्मद रूहुल आमीन है। मोहम्मद रूहुल आमीन ने कई खुलासे किए हैं, उन्होंने बताया कि उन्होंने पिछले हफ्ते शुक्रवार को बेटे से बात की था। मोहम्मद रूहुल आमीन ने बताया कि उनका बेटा कोई दस्तावेज लेकर इंडिया नहीं आया था, मोहम्मद शरीफुल शहजाद बाइक चलाने का काम करता था. उसने कभी भी कुश्ती नहीं की।

फोटो :4 पीएम

मतदाता दिवस लखनऊ में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर केडी सिंह बाबू स्टेडियम से निकाली गई वॉक थॉन रैली, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा, मंडल आयुक्त रोशन जैकब और जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर समेत हजारों की संख्या में बच्चे हुए शामिल।

फोटो :4 पीएम

जयंती नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर परिवर्तन चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

अफवाहों के जाल में उलझी लखनऊ पुष्पक

हादसे में 13 लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 4 विदेशी नागरिकों के साथ 13 लोगों की मौत और एक दर्जन से ज्यादा लोगों के घायल होने का कौन जिम्मेदार है? क्या घुमावदार रेल ट्रैक और अफवाहों का नारा देकर इस भंयकर हादसे पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। लगता कुछ ऐसा ही है। लखनउ से चली पुष्पक एक्सप्रेस कोई मामूली ट्रेन नहीं है। वर्षों से यह न सिर्फ सवारियों को ढो रही है बल्कि लोगों के सपनों को भी मुंबई ले जाती है। इस ट्रेन पर लंबे समय से ओवरलोड है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि अपनी मंजिल से 425 किलोमीटर पहले ही ट्रेन हादसे का शिकार हो गयी।

निश्चचत तौर पर जलगांव रेल हादसा भारतीय रेलवे के लिए एक चेतावनी है कि उसे अपनी कार्यप्रणाली और सुरक्षा उपायों में सुधार की आवश्यकता है। यदि रेलवे सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान दे, तो भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। यात्रियों की सुरक्षा और सही जानकारी का प्रसार रेलवे की प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि हादसों का प्रभाव कम से कम हो।

राहुल गांधी ने की दोषियों पर कार्रवाई की मांग

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा,महाराष्ट्र के जलगांव में हुए भीषण ट्रेन हादसे में कई लोगों के मौत और कईयों के घायल होने की खबर बेहद दुखद और व्यथित करने वाली है। शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की आशा करता हूं।

चाय वाले ने फैलाई थी अफवाह : अजित पवार

अजित पवार ने कहा कि यह अफवाह दो व्यक्तियों उधल कुमार और विजय कुमार ने फैलाई। दोनों एक चाय वाले की बात में आ गए। सबसे पहले चाय वाले ने अफवाह फैलाई कि ट्रेन में आग लग गई है। इसके बाद ट्रेन के अंदर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। उस चायवाले ने खुद ही चेन खींच दी। जब ट्रेन धीमी होने लगी तो यात्री जान बचाने के लिए ट्रेन से कूदने लगे। अजित ने कहा, रेलवे हादसे के बाद प्रशासन और अन्य बल सक्रिय हो गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। श्रावस्ती के उधल कुमार और विजय कुमार ट्रेन में सवार थे। वे ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। जनरल बोगी और ऊपरी बर्थ पर बैठे थे। पेंट्री से एक चाय बेचने वाले ने बोगी में आग लगने के बारे में चिल्लाया, दोनों ने यह सुना और घबरा गए। अजित कहा कुछ यात्री खुद को आग से बचाने के लिए चलती ट्रेन से बाहर कूद गए, लेकिन ट्रेन अच्छी गति से चल रही थी इसलिए एक व्यक्ति ने चेन खींच दी और ट्रेन रुक गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।